News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-73

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

रिश्तों को जोड़े रखने के लिए कभी अंधा, कभी गंगा और कभी बहरा भी होना पड़ता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बिहार, मंगलवार, 18 जून 2024

व्यवसायी हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा

बीमा भारती के बेटे ने दी थी मर्डर की सुपारी, शूटर गिरफ्तार

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

चम्पारण, भवानीपुर में गत दो जून को व्यवसायी गोपाल यादुका की दिनदहाड़े हुई हत्या का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। राजद नेत्री सह पूर्व मंत्री व लोकसभा चुनाव में राजद की प्रत्याशी रहीं बीमा भारती के पुत्र राजा कुमार ने ही व्यवसायी की हत्या के लिए पांच लाख की सुपारी दी थी। पुलिस ने इस मामले में एक शूटर व लाइनर को भी गिरफ्तार कर लिया। साथ ही हत्या में प्रयुक्त बाइक भी बरामद कर ली ।गिरफ्तार बदमाशों ने पुलिस को यह भी बताया कि हत्या के बाद एक बासा पर राजा कुमार ने पार्टी भी दी थी और शूटरों को रुपये भी दिए थे। गिरफ्तार बदमाशों में बीकोठी थाना क्षेत्र के भतसारा गांव निवासी अनिरुद्ध यादव का पुत्र ब्रजेश कुमार यादव एवं भवानीपुर नगर पंचायत निवासी राजू यादव का पुत्र विकास कुमार यादव शामिल है ।धमदाहा एसडीपीओ संजीव गोल्डी ने बताया कि पूर्व विधायक

के पुत्र का नाम इसमें सामने आया है। इसमें कुछ और तथ्य सामने आयी है और इसका भी खुलासा जल्द किया जाएगा। इधर, गिरफ्तार बदमाश विकास यादव ने पुलिस को बताया घटना के दिन वह और विशाल कुमार अपनी बाइक से व्यवसायी गोपाल यादुका के घर पहुंचे थे ।उसने बताया कि इस दौरान उसके कई साथी घटनास्थल के इर्द-गिर्द मुस्तैद थे। वह गोपाल यादुका के घर के सामने बाइक स्टार्ट कर खड़ा रहा और विशाल कुमार उनके नजदीक पहुंचकर उनके सिर में गोली मार हत्या की थी। उसने बताया कि गोली मारने के बाद वह और विशाल कुमार अपनी बाइक लेकर बजरंगबली चौक के रास्ते कदवाबासा पहुंचे थे ।उसने बताया कि पहले जमीन ब्रोकर संजय भगत ने हत्या की सुपारी देने की पहल की थी, लेकिन पैसे को लेकर डील नहीं होने की वजह से बात नहीं बनी। बाद में रूपौली की पूर्व विधायक बीमा भारती के पुत्र राजा कुमार ने उनलोगों से संपर्क कर व्यवसायी गोपाल यादुका की सुपारी दी ।विकास यादव ने बताया कि पूर्व विधायक पुत्र राजा से पांच लाख में डील होने के बाद उसे पहले 76 सौ रुपये दिए गए थे। उसे राजा द्वारा हत्या के बाद 48 हजार रुपये कदवाबासा में दिया गया ।हत्या के बाद जब वह और विशाल यादव कदवाबासा पहुंचे तो विधायक का पुत्र राजा कुमार अपने बुलेट से और उसका अन्य साथी उसके पीछे-पीछे थार वाहन से वहां पहुंचा था। उसने बताया कि व्यवसायी गोपाल यादुका की हत्या के बाद उसी दिन कदवाबासा में राजा कुमार के द्वारा एक पार्टी भी दिया गया था। जिसमें उसके कई अन्य साथी भी शामिल थे ।भवानीपुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि इस मामले में जमीन ब्रोकर संजय भगत को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बहुत जल्द सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

वर्ष 2014 से वर्ष 2024 के बीच 6751 बच्चों ने शिवहर के विभिन्न निजी विद्यालयों में निशुल्क शिक्षा ग्रहण किया, इस मद में करोड़ों रूपए हुए खर्च

आरटीआई से मिली जानकारी

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

शिवहर, शिवहर में प्रस्वीकृति प्राप्त निजी विधालय 86 है जिसमें शिक्षा के अधिकार के तहत 25 त्न बच्चें निशुल्क पढ़ सकते हैं । यह जानकारी सूचना के अधिकार के प्राप्त हुआ है दरअसल शिवहर के आरटीआई कार्यकर्ता मुकुन्द प्रकाश मिश्र ने इस संबंध में शिक्षा विभाग से सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगा था । आरटीआई रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2014 से वर्ष 2024 के बीच 6751 बच्चों ने शिवहर के निजी विद्यालयों में निशुल्क शिक्षा ग्रहण किया । वर्ष 2014-15 में विभिन्न निजी विद्यालयों में 283 बच्चों ने निशुल्क शिक्षा प्राप्त किया इस मद में कल 1231051 रुपए खर्च हुए । वही 2015-16 में 565 बच्चों ने निशुल्क शिक्षा प्राप्त किया इस मद में 3634645 रुपए खर्च हुए वही वर्ष 2016-17 में 735 बच्चों ने निशुल्क शिक्षा प्राप्त किया इस दौरान इस मद में 4828215 खर्च हुए । जबकि 2017-18 में 614 बच्चों ने निशुल्क शिक्षा प्राप्त किया इस मद में 5497142 रुपया खर्च हुआ । वर्ष 2018-19 में 844 बच्चों ने निशुल्क शिक्षा प्राप्त किया इस मद में 14218941 रुपए खर्च हुए । जबकि 2019-20 में 2256 बच्चों ने निशुल्क शिक्षा प्राप्त किया 2020-21 में 237 बच्चों ने निशुल्क शिक्षा प्राप्त किया है 2021-22 में 304 बच्चों ने निशुल्क शिक्षा प्राप्त किया 2022-23 में 434 बच्चों ने निशुल्क शिक्षा प्राप्त किया 2023-24 में 479 बच्चों ने निशुल्क शिक्षा प्राप्त किया आरटीआई कार्यकर्ता मुकुन्द प्रकाश मिश्र ने शिवहर के लोगों से अनुरोध किया कि इन 86 निजी विद्यालयों में आर्थिक रूप से गरीब बच्चों नामांकन हेतु ज्ञानदीप पोर्टल पर आवेदन करें ।

हालांकि ज्ञानदीप पोर्टल में नामांकित बच्चों की एंट्री होने के बाद से नामांकित बच्चों की संख्या में कमी आना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है ।

तेजस्वी यादव फिर बोले- 17 महीने में पांच लाख नौकरियां दी; मुख्यमंत्री कहते थे, यह असंभव है

नेता प्रतिपक्ष व पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने फिर से नीतीश सरकार और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पर हमला बोला है। सोमवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि हमने 17 महीनों के अल्प कार्यकाल में पांच लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी। इसी दौरान तीन लाख सरकारी नौकरियां प्रक्रियाधीन करवाई जो आचार संहिता के चलते कुछ महीनों से रुकी थी। हमारे हटते ही पूर्व निर्धारित तीसरे चरण में एक लाख शिक्षकों की भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने की वजह से वह रद्द हो गयी थी। तेजस्वी यादव ने कहा कि अब लोकसभा चुनाव पूर्ण हो चुके हैं। पहले से प्रक्रियाधीन तीन लाख नौकरियों

के अलावा सरकार हमारी सरकार के निर्णय अनुसार सभी विभागों की बाक़ी रिक्तियों पर यथाशीघ्र बहाली प्रक्रिया शुरू कर नियुक्तियां करायें। सीएम नीतीश पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी कहते थे कि 10 लाख सरकारी नौकरियां देना असंभव है। इतनी नौकरियों का पैसा तेजस्वी कहां से लाएगा? राजनीति का परिणाम हमेशा ही सकारात्मक मिलेगा तेजस्वी यादव ने कहा कि जब हमारे साथ सरकार में आकर बैठे तो हमने साइंटिफ़िक तरीके से मुख्यमंत्री जी सहित वरीय अधिकारियों (जो इनके कार्यकाल में हमेशा संविदा और आउटसोर्सिंग के पक्षधर रहे) को बताया और समझाया कि कैसे दस लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा सकती है। इससे पूर्व तक वो यह मानने को ही तैयार नहीं होते थे कि बिहार में लाखों पद रिक्त भी है। हमारी सकारात्मक राजनीति का परिणाम हमेशा ही सकारात्मक मिलेगा। जिन लाखों युवक-युवतियों को नौकरियां मिली और मिलेंगी उन पर हमारी इस पॉजिटिव प्रोगेसिव और मुद्दे आधारित राजनीति का जीवन भर प्रभाव रहेगा।

शिवहर के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में हुए 7 करोड़ 82 लाख, 8 हजार 214 रूपए खर्च

14,439 बेंच-डेस्क मुहैया कराया गया

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

शिवहर, शिवहर सरकारी स्कूलों में किसी भी बच्चे को बेंच और डेस्क की कमी के कारण जमीन पर पढ़ाई न करनी पड़े। इस उद्देश्य से शिवहर जिला के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में 7,082,8214 खर्च कर 14,439 बेंच और डेस्क की आपूर्ति की गई ।

आपूर्ति दो तरह से हुई विधालय और संवेदक/एजेंसी के माध्यम से । विधालय के माध्यम से 96 मध्य विद्यालयों में 2 करोड़ 40 लाख रुपए खर्च कर 4800 बेंच डेस्क की आपूर्ति की गई। वहीं 44 उच्च तथा उच्च माध्यमिक विधालय में 1 करोड़ 25 लाख रुपए खर्च कर 2050 बेंच डेस्क की आपूर्ति की गई।

इस दौरान जहां आपूर्ति किया गया वहां के विधालय को इस कार्य हेतु 250000 अथवा 225000 रूयया दिया गया ।

वहीं 30 संवेदन और एजेंसी के माध्यम में 95 प्राथमिक मध्य माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 36578214 खर्च कर 7589 बेंच डेस्क की आपूर्ति की गई।

बेंच डेस्क प्रति सेट के लिए अधिकतम 5 हजार रुपए निर्धारित की गई है। इसी राशि से रंग,पेंट,परिवहन खर्च एवं जीएसटी की राशि सम्मिलित है। इसी कारण इसका अलग से भुगतान नहीं किया जाएगा।

वहीं विभाग ने शीशम के फ्रेम में आम के लकड़ी की पटरी से बेंच-डेस्क तैयार कर आपूर्ति कराने की बात कही है, ताकि टिकाऊ व मजबूत रहे।

हालांकि ग्रामीण बेंच डेस्क के गुणवत्ता पर सवाल उठा रहें हैं।

करंट लगने से शख्स की मौत, पुलिस की लापरवाही पर परिजनों ने किया हंगामा

बिहार के आरा में करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के महुली गांव की है। मृतक की पहचान मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के महुली गांव निवासी बसरोपन यादव के पुत्र राधे श्याम यादव उर्फ चुन्नू यादव (47) के रूप में की गई है।

मोटर स्टार्ट करने के दौरान लगा करंट

घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि राधे श्याम यादव उर्फ चुन्नू यादव अहले सुबह अपने नए मकान के दीवार को पटवन करने के लिए गए थे जहां मोटर स्टार्ट करने के दौरान व्यक्ति को करंट लग गया, जिसमें वह बुरी तरह झुलस गया। घटना के दौरान एक व्यक्ति की नजर उसपर पड़ी तो उसने हल्ला करना शुरू कर दिया। उसके शोर मचाने पर वहां कई लोग जमा हो गये। आननफानन में ग्रामीणों की सहायता से राधे श्याम यादव उर्फ चुन्नू यादव को आरा सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सदर अस्पताल से परिजनों ने मुफ्फसिल थाना को घटना की सूचना दी, लेकिन 4 घन्टा बाद तक पुलिस परिजनों के पास नहीं पहुंची। पुलिस की इस लापरवाही से परिजन काफी आक्रोशित हो गए। मृतक के बड़े भाई राजदेव यादव ने बताया कि करंट लगने से मौत हुई है। गांव के बाहर मकान बन रहा है। चुन्नू यादव उसके दीवार को पटवन करने गए थे। इसी दौरान करंट लग गया। गांव के एक व्यक्ति ने हल्ला किया तो हम दौड़कर वहां पहुंचे और आरा सदर अस्पताल लेकर आये। अस्पताल आने पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए हमलोग पुलिस को बुला रहे है लेकिन चार घन्टा बाद भी पुलिस नही आई है। अब हमलोग बॉडी ले कर थाना जा रहे हैं और वहीं हंगामा करेंगे। परिजनों ने कहा कि मृतक चार भाइयों में सबसे छोटे थे और एडीएम के प्राइवेट ड्राइवर थे। मृतक की पत्नी देवती देवी और दो लड़का और एक लड़की का रो-रो कर बुरा हाल है।

कमलापुरी वैश्य महासभा शिवहर के जिलाध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

पिछले वर्ष सुधीर कुमार गुप्ता बने थे कमलापुरी वैश्य महा सभा शिवहर के जिलाध्यक्ष

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

शिवहर, शिवहर अखिल भारतीय कमलापुरी वैश्य महासभा के जिलाध्यक्ष सुधीर कुमार गुप्ता ने पद से इस्तीफा दे दिया है।

अपना इस्तीफा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पवन गुप्ता को प्रेषित पत्र में निजी कारणों का हवाला देते हुए बताया कि मैं जिस उद्देश्य से संगठन से जुड़ा था निजी कार्यों में व्यस्तता की वजह से उस सोच और उद्देश्य पर खड़ा नहीं उतर पा रहा हूं ऐसे में पद पर बने रहने का मैं औचित्य नहीं समझता।

श्री गुप्ता ने बताया कि मैंने सिर्फ पद से इस्तीफा दिया है महासभा के प्रति मेरी पूरी निष्ठा रहेगी?।

मुझसे जहां तक बन सकेगा मैं सहयोग के लिए समर्पित रहूंगा।

12 जुन से लापता हे बिन्दा सहनी

पताही के बिन्दा सहनी का मामला पहुँचा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

मोतिहारी, मोतिहारी जिले के पताही थाना क्षेत्र के देवापुर गाँव निवासी बिन्दा सहनी का मामला अब मानवाधिकार आयोग पहुँच गया है। विदित हो कि बिन्दा सहनी विगत 12 जुन से लापता है। इस सम्बंध में परिजनों के द्वारा स्थानीय थाना को भी आवेदन दिया गया है, लेकिन छह दिनों से बिन्दा सहनी के सम्बन्ध में अबतक कोई जानकारी स्पष्ट नहीं हो सकी है ।परिजनों ने आवेदन में स्पष्ट किया है कि लहसनिया गाँव के मोहम्मद बैतूल्लाह, मोहम्मद मसीर और सेराजुनेशा ने अपने मकई के खेत को बिजली के तार से घेर दिया था, जिसमें सटकर बिन्दा सहनी की मौत हो गई।

इनलोगों के द्वारा लाश को छुपा दिया गया है। पुलिस के द्वारा काफी खोजबीन किया गया, लेकिन अबतक बिन्दा सहनी की बरामदगी नहीं हो सकी है। यहाँ तक कि पुलिस के द्वारा खोजी कुत्ता का भी मदद लिया गया, लेकिन पुलिस का यह प्रयास भी असफल रहा ।वही पुरे मामले के सम्बन्ध में मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता डॉ. एस. के. झा ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग, पटना को अवगत कराया है तथा उन्होंने अवकाश प्राप्त न्यायाधीश से पुरे मामले की जाँच कराने की पहल की है। अधिवक्ता डॉ. एस. के. झा ने बताया कि घटना 12 जून की है,

लेकिन अबतक बिन्दा सहनी के बारे में आवश्यक जानकारी स्पष्ट नहीं हो पायी है, जो काफी संदेह पैदा करता है। अगर बिन्दा सहनी की मौत हो चुकी है, तो शव की बरामदगी हर हाल में सुनिश्चित होनी चाहिए। अगर पुलिस के द्वारा शव की बरामदगी जल्द-से-जल्द नहीं की गई, तो इस मामले के सम्बन्ध में माननीय उच्च न्यायालय, पटना के समक्ष भी याचिका दाखिल की जाएगी।